एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने दी मान्यता

सीआईएमपी का पीजीडीएम अब एमबीए के समकक्ष

एजुकेशन रिपोर्टर। पटना

भारतीय विश्वविद्यालयों के संगठन, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) के प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) डिग्री की समकक्षता प्रदान कर दी है। पीजीडीएम सीआईएमपी का प्रमुख कार्यक्रम है और यह पहले से ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा स्वीकृत और राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (नैक) से मान्यता प्राप्त है। सभी विशिष्ट मापदंडों पर विचार-विमर्श के बाद एआईयू ने सीआईएमपी के पीजीडीएम कार्यक्रम को एमबीए डिग्री के बराबर समकक्षता को मंजूरी दी। इसकी मान्यता उच्च गुणवत्ता वाली किसी भी भारतीय यूनिवर्सिटी द्वारा दी जानेवाली एमबीए की डिग्री के बराबर होगी।

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा जैसे पीएचडी में प्रवेश के लिए भारतीय विश्वविद्यालय के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री के साथ प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा को अकादमिक तुल्यता देने के लिए नोडल एजेंसी है। एआईयू द्वारा मान्यता मिलने के बाद यहां के छात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं। साथ ही सभी प्रकार के सरकारी नौकरियों में भी इसकी मान्यता होगी। निदेशक डॉ. वी. मुकुन्द दास ने कहा कि सीआईएमपी बिहार का एकमात्र संस्थान हैं जहां छात्रों को दिया जानेवाला पीजीडीएम सर्टिफिकेट एमबीए डिग्री के समतुल्य होगा।

Dainik Bhaskar ! Page.No-07 !Dated:17-10-2017

सीआइएमपी का पीजीडीएम कोर्स हुआ एमबीए के समतुल्य

जासं, पटना : एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआइयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) के प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) कोर्स को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) के समतुल्य होने की मान्यता प्रदान कर दी है। पीजीडीएम सीआइएमपी का मुख्य कोर्स है और यह पहले से ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद द्वारा स्वीकृत और नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) से मान्यताप्राप्त है। संस्थान द्वारा दी जाने वाली पीजीडीएम की मान्यता उच्च गुणवत्ता वाली किसी भी भारतीय यूनिवर्सिटीज द्वारा दी जाने वाली एमबीए की डिग्री के बराबर होगी।

Dainik Jagran ! Page.No-08
Dated:17-10-2017

सीआईएमपी के पीजीडीएम को एमबीए के समकक्ष मान्यता

पटना । कार्यालय संवाददाता

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) के प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) डिग्री की समकक्षता प्रदान कर दी है।

एआईयू भारत के विश्वविद्यालयों का एसोसिएशन है। ऐसे में अब यहां से पासआउट विद्यार्थियों को देश के विश्वविद्यालयों में पीएचडी या शिक्षण कार्य करने में भी कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि पहले भी यहां से पासआउट को किसी तरह की दिक्कत सामने नहीं आई है। यहां के पासआउट विद्यार्थी सरकारी और गैरसरकारी दोनों क्षेत्रों में जॉब कर रहे हैं। सीआईएमपी में चलनेवाला कोर्स पीजीडीएम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) से पहले ही मान्यताप्राप्त है।

एआईयू है नोडल एजेंसी

एआईयू ने सभी विशिष्ट मापदंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद सीआईएमपी द्वारा प्रस्तावित पीजीडीएम कोर्स को एमबीए डिग्री के बराबर मंजूरी दी है। संस्थान द्वारा दी जाने वाली पीजीडीएम की मान्यता उच्च गुणवत्ता वाली किसी भी भारतीय यूनिविर्सिटी द्वारा दी जाने वाली एमबीए की डिग्री के बराबर होगी। एआईयू भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा जैसे पीएचडी में प्रवेश के लिए भारतीय विवि के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन की डिग्री के साथ प्रबंधन में स्नात्कोत्तर डिप्लोमा को अकादमिक तूल्यता देने के लिए नोडल एजेंसी है।

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने सीआईएमपी कोर्स को स्वीकारा

सीआईएमपी के कोर्स को एआईसीटीई और एनबीए से मिली हुई है मान्यता

> सीआईएमपी बिहार का एकमात्र संस्थान है, जहां छात्रों को दी जानेवाली पीजीडीएम सर्टिफिकेट एमबीए डिग्री के समतूल्य होगी। –डॉ. वी. मुकुन्द दास, निदेशक, सीआईएमपी

Hindustan Yuva ! Page.No-03
Dated:17-10-2017

पीजीडीएम को एमबीए के समकक्ष मान्यता

सीआईएमपी

पटना | कार्यालय संवाददाता

एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) के प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) डिग्री की समकक्षता प्रदान कर दी है।

एआईयू भारत के विश्वविद्यालयों का एसोसिएशन है। ऐसे में अब यहां से पासआउट विद्यार्थियों को देश के विश्वविद्यालयों में पीएचडी या शिक्षण कार्य करने में भी कोई बाधा नहीं आएगी। हालांकि पहले भी यहां से पासआउट को किसी तरह की दिक्कत सामने नहीं आई है। यहां के पासआउट विद्यार्थी सरकारी और गैरसरकारी दोनों क्षेत्रों में जॉब कर रहे हैं। सीआईएमपी में चलनेवाला कोर्स पीजीडीएम अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) और राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (एनबीए) से पहले ही मान्यताप्राप्त है।

राहत

- एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज ने सीआईएमपी कोर्स को स्वीकारा
- कोर्स को एआईसीटीई और एनबीए से मिली हुई है मान्यता

सीआईएमपी बिहार का एकमात्र संस्थान है, जहां छात्रों को दी जानेवाली पीजीडीएम सर्टिफिकेट एमबीए डिग्री के समतुल्य होगी। डॉ. वी.

मुकुन्द दास, निदेशक, सीआईएमपी

Hindustan (Hindi) ! Page.NO-06 ! Dated:17-10-2017

Spoke to students & discussed various issues with them. Also conducted first acting class with the students today: FTII Chairman Anupa

अब PGDM वालों के लिए बेहतर नौकरी के अवसर

सीआईएमपी का पीजीडीएम कोर्स अब एमबीए के समतुल्य

patna@inext.co.in

PATNA(16Oct): चुंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेंजमेंट पटना (सीआइएमपी) बिहार का एक मात्र संस्थान बन गया है जिसकी पीजीडीएम कोर्स की मान्यता एमबीए के समतुल्य के हो गई है. एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआइयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआइएमपी) के प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) कोर्स को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) के समतुल्य होने की मान्यता प्रदान कर दी है. इसकी सबसे अच्छी बात यह होगी कि अब तक पीजीडीएम कोर्स को सरकारी नौकरी के लिए मान्यता नहीं थी. अब एमबीए की मान्यता मिल जाने से छात्रों को आगे चलकर अपने एकेडमिक ग्रोथ करने में और आसानी होगी. साथ ही सभी प्रकार की सरकारी नौकरियों में भी इसकी मान्यता होगी. सीआइएमपी द्वारा दी जाने वाली पीजीडीएम की मान्यता उच्च गुणवत्ता वाली किसी भी भारतीय यूनिवर्सिटीज द्वारा दी जाने वाली एमबीए की डिग्री के बराबर होगी.

अंतरराष्ट्रीय स्तर पर बढ़ेगी पहुंच

पीजीडीएम सीआइएमपी का मुख्य कोर्स है और यह पहले से ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआइसीटीई) द्वारा स्वीकृत और नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडिटेशन (एनबीए) से मान्यता प्राप्त है. इससे मान्यता के बाद छात्र अंतरराष्ट्रीय स्तर पर भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं. जानकारी हो कि यूनिवर्सिटी स्तर पर दी जाने वाली शिक्षा में प्रायः पीजीडीएम कोर्स चलता है. जबकि इंस्टीट्यूट में एमबीए का कोर्स कराया जाता है. इसके अलावा दोनों कोर्स चलाने के लिए अलग- अलग कोड होता है.

पीजीडीएम कोर्स में है थोड़ा सा है फर्क

पीजीडीएम और एमबीए के कोर्स मिलते-जुलते हैं. पीजीडीएम एक डिप्लोमा कोर्स है जबकि एमबीए मास्टर डिग्री कोर्स. पीजीडीम की मान्यता एमबीए के समतुल्य होने के बाद इसके स्टूडेंट्स के लिए पीएचडी करने की राह आसान हो गई है. जबकि इससे पहले छात्रों को पीएचडी करने के लिए मास्टर कोर्स करना जरूरी होता था. लेकिन, अब छात्र पीजीडीएम की डिग्री करने के बाद सीधे पीएचडी में आसानी से प्रवेश ले सकेंगे. इससे छात्रों में खुशी का माहौल है.

"बिहार में प्रबंधन के क्षेत्र में सीआइएमपी अग्रणी रहा है. पीडीजीएम कोर्स को एमबीए के बराबर दर्जा मिला है. यह बिहार में ऐसा पहला संस्थान है. छात्रों को और बेहतर अवसर मिलेंगे.

डॉ वी. मुकुंद दास

MU accords approval to CIMP course

OUR CORRESPONDENT

PATNA: Chandragupt Institute of Management (CIMP) is the only institute in Bihar offering PGDM equivalent to MBA and the students are very excited about their opportunities said Director Dr V Mukunda Das while addressing the media persons here on Monday.

He also said that CIMP is the dream project of Nitish Kumar, Chief Minister.

Earlier Association of Indian Universities (AIU) has accorded equivalence to the two-year full-time Post Graduate Diploma in Management (PGDM) program offered by CIMP with Master of Business Administration (MBA) Degree of an Indian University.

PGDM, the flagship program offered by CIMP, is already approved by All India Council for Technical Education (AICTE) and accredited by National Board of Accreditation (NBA). After detailed deliberations on all the specified parameters against several criteria, AIU approved the equivalence of PGDM offered by CIMP with MBA degree. Association of Indian Universities (AIU) is the nodal agency for granting academic equivalence to the Post Graduate Diploma in Management (PGDM) with Master of Business Administration (MBA) Degree of an Indian University for the purpose of admission to higher studies in India and abroad.AIU ensures that only AICTE approved and NBA accredited PGDM program which are of very high quality be granted equivalence.

According to the reports, the matter was placed before the Equivalence Committee, and later the proposal was approved in the meeting of the governing council held in AIU House, New Delhi.

This Equivalence Certificate from AIU has opened the doors for the PGDM students of CIMP, to pursue further higher studies in foreign countries and apply for government jobs without any hassles on their degree recognition as it would now officially be treated on par with the Master's Degree of Indian Universities.

Morning India ! Page.No- 03
Dated:17-10-2017

एआईयू ने प्रदान की डिग्री की समकक्षता

■ **मापदंडों पर खरा उतरने के बाद मिली समकक्षता**

लाइफ रिपोर्टर @ पटना

भारतीय विश्वविद्यालयों के एसोसिएशन, एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट पटना (सीआईएमपी) के प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) डिग्री की समकक्षता प्रदान कर दी है. ये जानकारी संस्थान के निदेशक प्रोफेसर वी.मुकुंद दास ने दी. उन्होंने बताया कि सीआइएमपी के प्रमुख कार्यक्रम पीजीडीएम को पहले

से ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा स्वीकृत और राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडीटेशन - एनबीए) द्वारा मान्यता प्राप्त है. सभी विशिष्ट मापदंडों पर विस्तृत विचार-विमर्श के बाद एआइयू ने सीआइएमपी द्वारा प्रस्तावित पीजीडीएम कार्यक्रम को एमबीए डिग्री के बराबर समकक्षता को मंजूरी दी.

डिग्री होंगी समतुल्य

श्री दास ने बताया कि संस्थान द्वारा दिये जाने वाले पीजीडीएम की मान्यता उच्च गुणवत्ता वाली किसी भी भारतीय यूनिवर्सिटी द्वारा दिये जाने वाले एमबीए की डिग्री के बराबर होगी. ज्ञात हो कि एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटी (एआईयू) भारत और विदेशों में उच्च शिक्षा जैसे पीएचडी में प्रवेश के लिए भारतीय विश्वविद्यालय के मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) की डिग्री के साथ प्रबंधन में स्नातकोत्तर डिप्लोमा (पीजीडीएम) को अकादमिक मान्यता देने के लिए नोडल एजेंसी है. AIU यह सुनिश्चित करता है कि केवल एआइसीटीई अनुमोदित और एनबीए द्वारा मान्यता प्राप्त उच्च गुणवत्ता वाले पीजीडीएम कार्यक्रम को ही एमबीए की डिग्री की समकक्षता दी जाये. श्री दास ने कहा कि सीआइएमपी बिहार का एकमात्र संस्थान है जहां छात्रों को दी जानेवाली पीजीडीएम सर्टिफिकेट एमबीए डिग्री के समतुल्य होगी. AIU कमेटी के समक्ष CIMP द्वारा दिए गए प्रस्ताव को AIU गर्वनिंग काउंसिल ने स्वीकार करते हुए इसे सभी मानकों पर श्रेष्ठ पाकर पारित किया. AIU द्वारा मान्यता मिलने के बाद यहां के छात्र अंतरर्राष्ट्रीय स्तर पर भी उच्च शिक्षा के क्षेत्र में कदम रख सकते हैं, साथ ही सभी प्रकार के सरकारी नौकरियों में भी इसकी मान्यता होगी.

Prabhat Khabar ! Page.NO-09 ! Dated:17-10-2017

सीआईएमपी में संचालित पाठ्यक्रम को एआईयू से मंजूरी

पटना। भारतीय विश्वविद्यालयों की एसोसिएशन-एसोसिएशन ऑफ इंडियन यूनिवर्सिटीज (एआईयू) ने चंद्रगुप्त इंस्टीट्यूट ऑफ मैनेजमेंट, पटना (सीआईएमपी) के प्रबंधन में दो वर्षीय पोस्ट ग्रेजुएट डिप्लोमा (पीजीडीएम) को मास्टर ऑफ बिजनेस एडमिनिस्ट्रेशन (एमबीए) डिग्री की समकक्षता प्रदान कर दी है। पीजीडीएम सीआईएमपी का प्रमुख कार्यक्रम है और यह पहले से ही अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) द्वारा स्वीकृत और राष्ट्रीय प्रत्यायन बोर्ड (नेशनल बोर्ड ऑफ एक्रेडीटेशन -एनबीए) द्वारा मान्यता प्राप्त है। संस्थान द्वारा दिए जाने वाले पीजीडीएम की मान्यता उच्च गुणवत्ता वाली किसी भी भारतीय यूनिवर्सिटीज द्वारा दिए जाने वाली एमबीए की डिग्री के बराबर होगी। सीआईएमपी के निदेशक डॉ वी मुकुंद दास ने कहा कि यह संस्थान बिहार का एकमात्र संस्थान है जहां छात्रों को दिया जानेवाला पीजीडीएम सर्टिफिकेट एमबीए डिग्री के समतुल्य होगा और इससे यहां के छात्र बहुत उत्साहित हैं।

Rashtriya Sahara ! Page.No-07
Dated:17-10-2017